CONTENTS

- विषाय - सूची -

प्रथम खंड (पृष्ठभूमि)

प्रथम प्रकरण - विषाय प्रवेश — पृष्ठ 1

द्वितीय प्रकरण - उपन्यास केलिऐ प्रयुक्त विभिन्न शब्द, परिभाषा, तत्व, प्रकार, व्याप्ति. — 6

१. प्रयुक्त विभिन्न शब्द - उपन्यास, कादंबरी, नावेल. — 6

२. परिभाषा - — 14

३. उपन्यास के तत्व - — 23

१) कथानक — 24

अ) कथानक के गुण - — 24

मौलिकता, निर्माण कौशल, संबध्दता, संभवता, रोचकता.

ब) कथानक के भेद - — 28

शिथिल कथानक, सुगठित कथानक.

क) कथानक की शैली - — 30

वर्णनात्मक, आत्मकथात्मक, पत्रात्मक, डैरी, मिश्र.

२) चरित्र चित्रण - — 32

पात्रों का वर्गीकरण, चरित्र चित्रण की प्रणालियाँ.

३) कथोपकथन. — 38

४) देश-काल - — 42

सामाजिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक.

5) शैली, 6) उद्देश्य — 47 और 49

४. उपन्यास के प्रकार - — 57

घटना प्रधान, चरित्र प्रधान, प्रकृतिवादी, भाव प्रधान, मनोवैज्ञानिक, वैज्ञानिक, सामाजिक, ऐतिहासिक, धार्मिक.

५. उपन्यास की व्याप्ति. — 73

	पृष्ठ
तृतीय प्रकरण - भारत का प्राचीन कथा साहित्य.	78
अ) संस्कृत में कथा साहित्य -	79
वैदिक साहित्य - ब्राम्हण, उपनिषद्.	
महाकाव्य अेवं पुराण - रामायण,, महाभारत, श्रीमद्भागवत.	
नीति कथाएँ - अन्य कथा साहित्य, पंचतंत्र, हितोपदेश.	
मनोरंजक कथाएँ - वृहत् कथा, वैताल पंचविंशातिका, शुकसप्तति, सिंहासन द्वात्रिंशिका,	
काव्यात्मक कथाएँ - वासवदत्ता, हर्षचरित, दशकुमार चरित.	
ब) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश कथा साहित्य	87
चतुर्थ प्रकरण -	91
१. हिंदी और कन्नड में कथा साहित्य का विकास, उससे उपन्यास को प्रेरणा.	91
अ) काव्य - ढोला मारुद्वहा, रामचरित मानस, सूरसागर, कन्नड भारत, जैमिनी भारत.	91
ब) गद्य व गद्य कथा का विकास - वड्डाराधने, चावुंडराय पुराण, दुर्गसिंह कृत पंचतंत्र, रानी केतकी की कहानी, मुद्राम्मंजूषा (कन्नड).	95
क) अन्य कथा साहित्य - सिंहासन बत्तीसी, वैताल पच्चीसी.	100
२. गद्य के विकास में ईसाई मिशनरियों का योगदान.	101
३. उपसंहार.	105
४. निष्कर्ष.	107

द्वितीय खंड (प्रारंभ काल)

प्रथम प्रकरण - अनुवाद का युग. पृष्ठ

१. हिंदी में अनुवादित उपन्यास,निष्कर्ष. 108

२. कन्नड में अनुवाद का कार्य - 112
बाण कादंबरी, कन्नड में विशेषा प्रवृत्ति,
वेंकटाचार्य,गळगनाथ,अनुवाद की विशेषाता,
शैली,दोषा,तुलना.

३. हिंदी-कन्नड के अनुवादित उपन्यास 126
तुलना, भेद.

४. निष्कर्ष. 127

द्वितीय प्रकरण - हिंदी-कन्नड में उपन्यास का आरंभ, 129
प्रथम मौलिक उपन्यास.

अ) हिंदीका प्रथम मौलिक उपन्यास - 129
'परीक्षागुरु' -कथानक,पात्र,शैली,भाषा,लक्ष्य. 131

ब) कन्नड में प्रथम मौलिक उपन्यास - 138
'इंदिराबाई' - कथानक,कथानक शिल्प,पात्र,भाषा,
लक्ष्य,निष्कर्ष.

क) तुलना. 147

ड) भेद. 148

तृतीय प्रकरण - हिंदी और कन्नड के उपन्यास - 150

१. सामाजिक उपन्यास. 150

अ) सामाजिक तथा राजनीतिक पृष्ठभूमि. 150

	पृष्ठ
ब) हिंदी में सामाजिक उपन्यास	153
१) बालकृष्ण भट्ट -	153
'सौ अजान और एक सुजान'	154
२) मेहता लज्जाराम शर्मा -	157
'बिगडे का सुधार'	158
३) अयोध्यासिंह उपाध्याय-	160
'अध खिला फूल'	160
४) किशोरीलाल गोस्वामी -	163
१. 'राजकुमारी'	165
२. 'चपला'	167
३. 'अगूंठी का नगीना'	169
५) अन्य उपन्यासकारों के उपन्यास	172
क) कन्नड में सामाजिक उपन्यास	174
१) बोळार बाबूराव -	174
'वाग्देवी'	
२) के.वासुदेवाचार्य -	180
'इंदिरे'	181
३) एम.एस.पुट्टण्ण -	184
'माडिद्दुण्णो महाराय'	185
४) अन्य उपन्यास कारों के उपन्यास	192
२. ऐतिहासिक उपन्यास -	195
अ) हिंदी में ऐतिहासिक उपन्यास	196
१) किशोरीलाल गोस्वामी	197
अ) 'तारा'	198
ब) अन्य उपन्यास	202
२) व्रजनंदन सहाय	204
'लालचीन'	
३) अन्य उपन्यासकार	207

	पृष्ठ
ब) कन्नड में ऐतिहासिक उपन्यास	208
१) गळगनाथ	209
'कुमुदिनी'	209
२) के.वासुदेवाचार्य	214
'यदुमहाराज'	214
३) अन्य उपन्यास	220
३. घटना प्रधान उपन्यास	221
अ) हिंदी में	221
१) तिलस्मी ऐयारी उपन्यास -	221
'तिलस्मी'; 'ऐयार'	
१. देवकीनंदन खत्री	224
'चंद्रकांता'	225
२. अन्य लेखक	228
२) जासूसी उपन्यास	229
गोपालराम गहमरी.	230
ब) कन्नड में घटनात्मक उपन्यास	230
गळगनाथ - 'पद्मनयना' जासूसी उपन्यास	230
चतुर्थ प्रकरण -	235
वैचारिक तथा शिल्पगत तुलना, समानता, भिन्नता, निष्कर्ष.	
अ) वैचारिक तुलना -	235
१) नारी की विभिन्न समस्याओं के चित्रण की प्रवृत्ति, बाल विवाह, विधवा विवाह.	
२) विधवा जीवन चित्रण की प्रवृत्ति.	

KARNATAK UNIVERSITY DHARWAR LIBRARY

३) आदर्श नारी चित्रण की प्रवृत्ति.
४) आदर्श प्रणय चित्रण की प्रवृत्ति.
५) वैवाहिक जीवन चित्रण की प्रवृत्ति.
६) सामाजिक अत्याचार,धार्मिक दंभ, अंध रूढियों का चित्रण.
७) प्रशासन में निहित दुराचार,कुरीतियाँ.
८) अन्य प्रवृत्तियाँ,ऐतिहासिक उपन्यासों की विशेष प्रवृत्तियाँ.
९) घटनात्मक उपन्यासों की विशेष प्रवृत्तियाँ.

ब) कलातत्व की तुलना. 257

१) कथानक शिल्प - 257
कथानक शैली की विशेषताएँ,कथानक में कुतूहल,निर्माण,शैलीगत विभेद.

२) पात्र चित्रण - 264
आकृति चित्रण, प्रत्यक्ष चरित्र चित्रण, सूत्र संचालित पात्र चित्रण,कल्पनारम्य पात्र, आदर्श के प्रतीक पात्र, यथार्थ जीवन के पात्र, खल पात्र.

३) कथोपकथन. 269
४) देश-काल. 271
५) भाषा शैली. 274
६) उद्देश्य. 275

क) निष्कर्ष. 277

तृतीय खंड (विकास एवं आधुनिक काल)

प्रथम प्रकरण - युग की विशेषता, राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि. 279

द्वितीय प्रकरण - हिंदी-कन्नड उपन्यास 299

१. सामाजिक उपन्यास - 299

अ) हिंदी में सामाजिक उपन्यास 299

१) प्रेमचंद 299

अ. 'सेवासदन' 306

आ. 'गबन' 313

इ. 'कर्मभूमि' 320

ई. 'गोदान' 326

उ. अन्य उपन्यास 333

२) जयशंकर प्रसाद 337

'तितली' 339

३) विश्वंभरनाथ 'कौशिक' 344

अ. 'मा'

आ. अन्य उपन्यास 350

४) पांडेय बेचनशर्मा 'उग्र' 351

अ. चंद हसीनों के खुतूत 352

आ. अन्य उपन्यास 356

५) भगवतीचरण वर्मा 358

अ. 'चित्रलेखा' 358

आ. अन्य उपन्यास 364

६) यशपाल 367

अ. 'देशद्रोही' 369

आ. अन्य उपन्यास 375

	पृष्ठ
७) उपेंद्रनाथ 'अश्क'	379
अ. 'गर्म राख'	380
आ. अन्य उपन्यास	387
८) धर्मवीर भारती	388
अ. 'सूरज का सातवाँ घोडा'	389
आ. अन्य उपन्यास	394
९) डा.रांगेयराघव	395
अ. 'कब तक पुकारूँ'	398
आ. अन्य उपन्यास	405
10) अन्य उपन्यासकार	407
ब) कन्नड में सामाजिक उपन्यास -	410
१) शिवराम कारंत	410
अ. 'चोमन दुडि'	414
आ. ' सरसम्मन समाधि'	421
इ. 'बेट्टद जीव '	426
ई. 'मरळि मण्णिगे'	433
उ. ''अळिद मेले''	440
ऊ. अन्य उपन्यास	445
२) मास्ती वेंकटेश अय्यंगार-	449
'सुब्बण्ण'	450
३) के.वि.पुट्टप्प -	453
'कानूर सुब्बम्म हेग्गडति'	453
४) अ.न.कृष्णराय -	461
अ. 'संध्याराग'	462
आ. 'मंगल सूत्र'	469
इ. 'अमर अगस्ट'	472
ई. वेश्या जीवनपर उपन्यास	476
उ. अन्य उपन्यास	479

KARNATAK UNIVERSITY DHARWAR LIBRARY

५) त.रा.सुब्बराय - 481

अ. 'चंदवळ्ळिय तोट' 482

आ. 'मसणद हूवु' 487

इ. अन्य उपन्यास 493

६) बसवराज कट्टीमने - 496

अ. 'ज्वालामुखिय मेले' 497

आ. 'जरतारि जगद्गुरु' 504

इ. अन्य उपन्यास 509

७) निरंजन - 512

अ. 'विमोचने' 512

आ. 'रंगम्मन वठार' 517

इ. अन्य उपन्यास 522

८) अन्य उपन्यासकार 524

२. मनोवैज्ञानिक उपन्यास - 527

अ) हिंदी में मनोवैज्ञानिक उपन्यास 529

१) जैनेंद्र 529

अ. 'त्याग पत्र' 531

आ. अन्य उपन्यास 537

२) इलाचंद्र जोशी 539

'सन्यासी' व अन्य उपन्यास 539

३) अज्ञेय 544

'शेखर एक जीवनी' व अन्य उपन्यास 544

४) अन्य उपन्यासकार. 547

ब) कन्नड में मनोवैज्ञानिक उपन्यास - 548

१) श्रीमती त्रिवेणी 548

अ. 'बेक्किन कण्णु' 549

आ. अन्य उपन्यास 555

२) अन्य उपन्यासकार 556

३. ऐतिहासिक उपन्यास - 557

अ) हिंदी में ऐतिहासिक उपन्यास 558

१) वृंदावनलाल वर्मा 558

अ. 'मृगनयनी' 561

आ. अन्य उपन्यास 569

२) अन्य उपन्यासकार 572

ब) कन्नड में ऐतिहासिक उपन्यास - 576

१) के.वि.अय्यर 576

'शांतला' 576

२) अन्य उपन्यासकार 583

तृतीय प्रकरण - 588

हिंदी तथा कन्नड में परस्पर अनूदित उपन्यास.

चतुर्थ प्रकरण - 592

वैचारिक तथा शिल्पगत तुलना, समानता, भिन्नता निष्कर्ष.

अ) वैचारिक तुलना- 592

१. विधान विवाह की समस्या चित्रण की प्रवृत्ति. 593

२. विधवा जीवन चित्रण की प्रवृत्ति. 596

३. वेश्या जीवन चित्रण की प्रवृत्ति. 598

४. नारी जागरण, आधुनिक चेतना चित्रण. 602

५. स्वच्छंद प्रेम के चित्रण की प्रवृत्ति. 605

६. सामाजिक अेवं धार्मिक अत्याचार आदि का चित्रण. 606

७. राष्ट्रीय संग्राम अेवं गांधीवादी विचारधारा का चित्रण 610

८. ग्रामीण जीवन चित्रण. 613

९. साम्यवादी विचारधारा का चित्रण. 615

१०. मनोवैज्ञानिक उपन्यासों की विशेषा प्रवृत्ति. 618

११. ऐतिहासिक उपन्यासों की विशेषा प्रवृत्ति. 620

१२. अन्य प्रवृत्तियाँ. 621

ब) शिल्पगत तुलना - 625

१. कथानक शिल्प - 625

कुतूहल निर्माण का कौशल, कथानक संविधान के बाधकतत्व, कथानक संविधान का कौशल, मनोवैज्ञानिक उपन्यासों का शिल्प, शैलीगत प्रभेद.

२. पात्र चित्रण - 639

आदर्शवादी पात्र, आदर्श नारी पात्र, यथार्थवादी पात्र, मनोवैज्ञानिक उपन्यासों के प्रतीक पात्र, खल पात्र.

३. कथोपकथन. 644

४. देश-काल. 646

५. भाषा शैली. 648

६. उद्देश्य. 649

क) निष्कर्ष. 651

चतुर्थ खंड - उपसंहार

प्रथम प्रकरण - 653

हिंदी तथा कन्नड उपन्यासों की व्याप्ति.

द्वितीय प्रकरण - 657

नवीन जीवनदर्शन.

१. मानवतावाद
२. मार्क्सवाद,
३. भोगवाद
४. यौन संबंधी दर्शन अेवं प्रकृतिवाद
५. नास्तिक्यवाद
६. भाग्यवाद
७. अस्तित्ववाद

तृतीय प्रकरण - 667

पारस्परिक प्रभाव, निजी देन, अभाव अेवं भावी संभावनाएँ.

ग्रंथ अेवं पत्र - पत्रिका सूची

परिशिष्ट १ 676
परिशिष्ट २ 682
परिशिष्ट ३ 687
परिशिष्ट ४ 689
परिशिष्ट ५ 690
परिशिष्ट ६ 691
परिशिष्ट ७ 692
परिशिष्ट ८ 693

KARNATAK UNIVERSITY DHARWAR LIBRARY